निदेशक (अनुसन्धान एवं विकास) का हिंदी दिवस पर संदेश

प्रिय साथियों,

हिन्दी दिवस की असीम शुभकामनायें !

हम सभी जानते हैं कि 14 सितंबर का दिन अपने राष्ट्र के इतिहास में बहुत ही महत्वपूर्ण दिवस है, क्योंकि 14 सितंबर 1949 को संविधान सभा द्वारा सर्वसम्मत से हिन्दी को भारत की राजभाषा के रूप में अपनाने का निर्णय लिया गया तब से हिंदी भाषा को एक उच्च दर्जा प्राप्त हुआ। 14 सितम्बर को हिन्दी दिवस मनाने का निर्णय 1953 मे लिया गया अतः इसी उपलक्ष्य में हम प्रत्येक वर्ष 14 सितंबर को हिंदी दिवस मनाते हैं। 14 सितम्बर, 1953 से आज तक हम प्रति वर्ष 14 सितंबर को हिन्दी दिवस के रूप में मनाते आ रहे हैं। हिन्दी दिवस राजभाषा के प्रति हमें अपने दायित्व का कर्तव्य बोध कराकर उत्तरोत्तर लक्ष्य की ओर अग्रसित करने की प्रेरणा देता है।

भारत दुनिया में सबसे विविध संस्कृतियों वाला देश है। धर्म, परंपराओं और भाषा में इसकी विविधता के साथ, लोग एकता में विश्वास रखते हैं। आपस के विचारों एवं भावनाओं के आदान-प्रदान के लिए एक ऐसी भाषा की आवश्यकता होती है जिसे अधिकांश देशवासी बोलते व समझते हों एवं महात्मा गांधी जी ने कहा था "कोई भी देश सच्चे अर्थों में तब तक स्वतन्त्र नहीं है जब तक कि वह अपनी भाषा में नहीं बोलता"। इसी कड़ी में, हमारे देश के विभिन्न प्रदेशों में बोली जाने वाली भाषाएँ यदि पुष्प हैं तो हिन्दी, सभी भाषाओं को गूंथ कर पुष्प माला के उस धागे के समान है जो सभी को पल्लवित एवं विकसित होने का समान अधिकार प्रदान करती है।

भूमंडलीकरण के इस दौर में विदेशी व्यापारिक कंपनियाँ भी हिन्दी में विज्ञापन तथा विदेशी क्रिकेटर्स भी हिन्दी में बोल कर विज्ञापन करते हैं यह हिन्दी के बढ़ते प्रभाव को दर्शाता है। विदेशी भाषा में प्रकाशित पुस्तकें तथा विदेशी भाषा में प्रसारित होने वाले दूरदर्शन कार्यक्रम भी हिन्दी में प्रकाशित करने के लिए बाध्य हो रहे हैं यह हिन्दी एवं अपने राष्ट्र के लिए बड़े ही गौरव तथा अभिमान की बात है । भारतीय फिल्म जगत भी न केवल भारतीय उपमहाद्वीप वरन यूरोपीय और अमेरिका जैसे देशों में भी विभिन्न हिन्दी कार्यक्रम के माध्यम से हिन्दी का सम्मान बढ़ा रहे हैं।

जहां तक हमारे अनुसन्धान एवं विकास केन्द्र का प्रश्न है, हमारे केंद्र में हिन्दी राजभाषा का कार्य सराहनीय है। केंद्र के अभियन्ता एवं वैज्ञानिक दिन-प्रतिदिन हिन्दी के काम को गति प्रदान कर रहे हैं तथा राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय द्वारा निर्धारित लक्ष्यों को पूरा करने में पूर्ण सहयोग देते हैं । नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति फरीदाबाद द्वारा अपने केन्द्र को प्रति वर्ष पुरस्कृत करना इस बात का प्रमाण है। इस सम्मान के लिए हमारे संबन्धित कर्मचारीगण एवं अधिकारीगण बधाई के पात्र हैं।

अंत में, मैं सभी साथियों को हिन्दी में प्रगति के लिए उनके प्रयासों के लिए शुभकामनायें देता हूँ तथा अपेक्षा करता हूँ कि आगे भी अपने कार्यालयीन कार्यों में अधिकाधिक हिन्दी का प्रयोग करें और सरकारी निर्देशों के अनुसार राजभाषा की प्रगति में अपना सहयोग दें। एक बार पुनः आप सभी को हिन्दी दिवस की हार्दिक शुभकामनायें।

जय हिन्द, जय हिन्दी, जय इंडियन ऑयल एवं जय अनुसंधान

रामाकुमार

14 सितंबर 2022
स्थान : फरीदाबाद

डा. एस एस वी रामाकुमार
निदेशक (अनुसंधान एवं विकास)